परिशिष्ट

बैंकिंग सांख्यिकी से संबंधित बैंक के अन्य प्रकाशनों के बारे में सूचना

1. भारत में बैंकों संबंधित सांख्यिकीय सारणियां

इस खंड की प्रस्तावना में दिये गये स्पष्टीकरण के अतिरिक्त, दो भिन्न प्रकाशनों अर्थात् 'भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय सारणियां' एवं इस खंड के मूलभूत अंतर के बारे में, इस प्रकाशन की सामग्री के संबंध में पाठकों को सहायता प्रदान करने के उद्देश से एक संक्षिप्त टिप्पणी नीचे दी गयी है।

'भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकीय विवरणियां' से संबंधित पुस्तक में भारत में बैंकिंग के विभिन्न पहलुओं के बारे में व्यापक आंकड़े दिये गये हैं जो विभिन्न सांविधिक एवं अन्य सांख्यिकीय विवरणियों पर आधारित हैं । आंकड़ो के स्रोत में प्रत्येक माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 42(2) के अंतर्गत अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा प्रस्तुत 'फार्म-ए विवरणियां'; प्रत्येक माह के अंतिम शुक्रवार को बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 27 के अंतर्गत 'फार्म - X' विवरणियां, संदर्भित अवधि के लिए उनके प्रकाशित लेखों के आधार पर भारत में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की देयताएं एवं आस्तियां, मार्च महीने के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों से संबंधित अग्रिमों की विवरणियां बैंक के विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त अन्य विवरणियां तथा विभिन्न मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियों पर आधारित संक्षिप्त सूचनाएं शामिल हैं । इस खंड में कार्यालय, कारोबार, देयताएं एवं आस्तियां, जमाराशियां, अग्रिम, प्राथमिक क्षेत्र के अग्रिम, निष्पादक आस्तियां, निवेश, आय एवं व्यय, कर्मचारी आदि के आधार पर सारणियां समाविष्ट की गयी हैं ।

2. भारत में बैंकिंग की प्रवृती एवं प्रगति संबंधित रिपोर्ट

यह वार्षिक प्रकाशन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 36(2) के अंतर्गत किया जाता है ।

3. अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की ऋण और जमाराशियों से संबंधित तिमाही सांख्यिकी

इस प्रकाशन में अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की जमाराशियां एवं ऋण से संबंधित आंकड़े दिये जाते हैं जो कि उनके प्रधान कार्यालयों से प्राप्त बीएसआर-7 तिमाही विवरणियों पर आधारित होते हैं जिनमें तिमाही के अंतिम शुक्रवार/ मार्च के अंतिम दिन को सकल जमाराशियां एवं कुल बैंक ऋण के शाखावार आंकड़े होते हैं ।

4. अन्य मू.सा.वि. सर्वेक्षणों से संबंधित सूचना

दो वर्षिक सर्वेक्षणों अर्थात जमाराशियों के स्वामित्व के सर्वेक्षण (मू.सां.वि.-4) एवं अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के निवेशों के सर्वेक्षण (मू.सा.वि.-5) तथा जमा लेखों में नामे राशियों के द्विवार्षिक सर्वेक्षण के (मू.सा.वि.-6) माध्यम से संग्रहित आंकड़ों पर आधारित लेख नियमित रुप से भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन में प्रकाशित किये जाते हैं ।

5. बैंकिंग सांख्यिकी : मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां 1 और 2, खंड 1 से 31: 1972 से 2002

मूलभूत सांख्यिकीय विवरणियां 1 और 2 द्वारा संकलित किये गये तथा मू.सां.वि. खंड 1–31 में प्रकाशित किये गये आंकड़े पी डी एफ रचना (PDF FORMAT) में सी डी रोम (CD ROM) में उपलब्ध हैं ।

6. शाखा बैंकिंग सांख्यिकी

यह प्रकाशन समय समय पर निकाला जाता है जो नवीनतम अद्यतित मास्टर आफिस फाईल (चजक्र) पर आधारित है तथा 'भारत में वाणिज्य बैंक कार्यालयों की शाखा बैंकिंग' की संक्षिप्त जानकारी उपलब्ध कराता है ।

7. भारत में वाणिज्य बैंकों के कार्यालयों का शब्दकोष

यह प्रकाशन समय समय पर सी डी रोम (CD-ROM) तथा वेब (Web) द्वारा लाया गया है । यह प्रकाशन भारत में सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के, शाखा/कार्यालयों की स्थान निर्धारण के बारे में विस्तृत वर्णन देता है तथा यह नवीनतम आधुनिक मास्टर आफिस फाईल (MOF) पर आधारित है ।

****